शिक्षा में मार्क्सवाद

शिक्षा संस्थानों में बढ़ते मार्क्सवाद पर जब मैने सवाल उठाया
तो लोक्सभा में सभी सदस्यों ने जम कर बबाल मचाया
सोमनाथ भड़के येचुरी हड़के माया माडवाणी ने भी ठोकी ताल
लालू चिल्लाये अर्जुन गुर्राये सुषमा सोनिया हुई गुस्से से लाल

माकपा भाकपा सपा बसपा भाजपा सभी ने दी मुझको गाली
सिद्ध करो आरोप नहीं तो निलम्बन होगा की धमकी दे डाली
माइक पकड़ कर मै चिल्लाया सत्य कभी नहीं छुप पाया है
मैकाले से मनमोहन तक सबने शिक्षा में मार्क्सवाद बढ़ाया है

सरकारी विद्यालय हो या हो पूंजिपतियों का एडुकेशन सेंटर
मिशनरी का कांवेंट हो या हो आर एस एस का शिशु मन्दिर
आई आई टी, आई आई एम हो या हो मेडिकल का इम्तहान
यूनिवर्सिटी या पत्राचार पाठ्यक्रम या हो इंजीनियरिंग संस्थान

डिस्टिंक्शन के लिये चाहिये पचहत्तर प्रतिशत मार्क्स
फर्स्ट डिवीजन के लिये तय है साठ प्रतिशत मार्क्स
मार्क्स नहीं मिलते जिसको वह फेल हुआ कहलाता है
सबसे ज्यादा मार्क्स पाने वाला ही ऊंचे पद को पाता है

सामाजिकता खेल कूद तज बच्चे मार्क्स मार्क्स चिल्लाते हैं
बुद्धि को ताले में जड़ कर गाइड और कुंजिका रट जाते हैं
मार्क्स मार्क्स के चक्कर में चोरी करते और कराते हैं
प्रैक्टिकल में मार्क्स पाने को सौ सौ रुपयों की भेंट चढ़ाते हैं

सत्य धर्म और नैतिकता को मार्क्स के लिये बलि चढ़ाते हैं
छल बल धन से परीक्षाओं के प्रश्न पत्र आउट करवाते हैं
कभी कभी तो मार्क्स न मिलने से आत्महत्या भी कर जाते हैं
शिक्षा को मार्क्सवाद से बचाने को हम यह सवाल उठाते हैं